पहली बार दिल्ली का सर्वे होगा ड्रोन से

Poonam.Gaur@timesgroup.com

■ **नई दिल्ली :** पहली बार दिल्ली का ड्रोन सर्वे शुरू हो गया है। अभी दिल्ली के एक छोटे हिस्से का ड्रोन सर्वे पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू हुआ है। इसके बाद यह सर्वे पूरी दिल्ली के अलग-अलग क्षेत्रों में होगा। इस सर्वे में पूरी दिल्ली के एरिया, बिल्डिंग, ग्रीन एरिया, सड़कों, पार्क आदि का पता लगाया जाएगा और उसी के अनुरूप प्लानिंग की जाएगी।

डीडीए ने अभी लैंड पूलिंग पॉलिसी के लिए ड्रोन सर्वे से एन जोन की मैपिंग शुरू की है। मैपिंग का काम आईआईटी रूड़की और सर्वे ऑफ इंडिया कर रहे हैं। सर्वे में एन जोन की हर गतिविधि और डेटा को रिकार्ड किया जा रहा है। सर्वे के आधार पर क्षेत्र में हो रहे अनऑथराइज्ड ट्रांजैक्शन को रोकने में मदद मिलेगी। साथ ही, यह भी साफ हो पाएगा कि कितनी जमीन है, कहां बिल्डिंग हैं, ग्रीन स्पेस कहां हैं, कहां अवैध कब्जे हैं, और उस एरिया के लिए किस तरह बेहतर प्लानिंग की जा सकती है।

डीडीए की लैंड पूलिंग पॉलिसी के तहत 5 अगस्त तक 4281 आवेदन आए थे और कुल 4452 हेक्टेयर जमीन रजिस्टर्ड हो चुकी है। इसमें सबसे अधिक जमीन एन जोन के लिए ही रजिस्टर्ड हुई है। एन जोन में 5 अगस्त तक 37.4 पर्सेंट एरिया रजिस्टर्ड हो चुका है। इस जोन में कुल 9724 हेक्टेयर लैंड को रजिस्टर्ड किया जाना है। इसमें से 6516 हेक्टेयर लैंड पर विकास कार्य होने हैं। इसके लिए डीडीए को 2583 आवेदन मिले हैं और कुल 2439 हेक्टेयर लैंड रजिस्टर्ड हो चुका है। यही वजह है कि डीडीए ने सर्वे के लिए इसे चुना है।

क्या है एन जोन : एन जोन नॉर्थ वेस्ट डिस्ट्रिक में हैं और इसमें कुल 21 गांव आ रहे हैं। यहां कुल 9063.1 हेक्टेयर जमीन है। एन जोन के ग्रीन बेल्ट में आ रहे गांव हैं-औचंदी, मंगेशपुर, कुतुबगढ़, खोर पंजाब, छतेसर, जौंती, घरी रिंधाला, निजामपुर, टिकरी कलां का कुछ हिस्सा और हरौली। आर जोन में आ रहे गांव हैं, बाजितपुर ठाकरान, नंगल ठाकरान, बवाना का कुछ हिस्सा, पूठ खुर्द का कुछ हिस्सा, सुल्तानपुर डबास, सलाहपुर माजरा, कटोरा, खोरजत आदि।

यह है मकसद

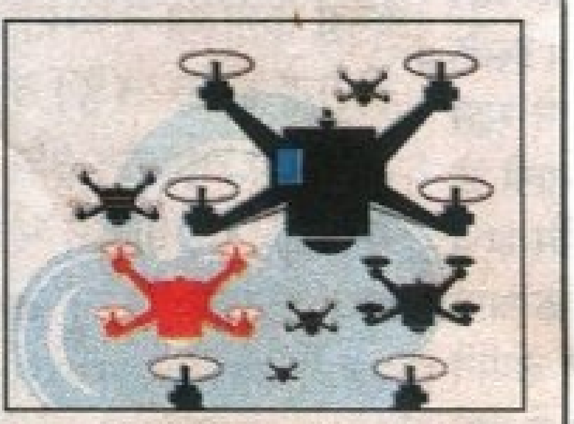

- इससे बिल्डिंग, ग्रीन एरिया, सड़कों, पार्क आदि का पता लगाया जाएगा और उसी के अनुरूप प्लानिंग की जाएगी
- मैपिंग का काम आईआईटी रूड़की और सर्वे ऑफ इंडिया कर रहे हैं

C M Y K

नव भारत टाइम्स - 23 अगस्त 2019